ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

6-03-2026

निश्चय बुद्धि बच्चे सदा हर्षित और निश्चिन्त रहते हैं। चिन्ता खुशी को खत्म करती है और निश्चिन्त हैं तो सदा खुशी रहेगी, जब किसी भी बात में क्यों हुआ, कैसे हुआ, क्या होगा!... यह प्रश्न आते हैं तब चिन्ता होती है। क्या, क्यों, कैसे - ये चिन्ता की लहर है। कई फिर कहते हैं कि मेरे से ही क्यों होता है? मेरे पीछे ये बंधन क्यों है! मेरे पीछे माया क्यों आती है! मेरा ही हिसाब किताब कड़ा है, क्यों? तो "क्यों'' आना माना चिन्ता की लहर। जो इन चिन्ताओं से परे है वही निश्चिंत है।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

The children whose intellects have faith remain constantly cheerful and carefree. Worry finishes your happiness, but if you are carefree, you remain constantly happy. When you ask the questions: "What happened?" "How did it happen?" "What will happen?" in any situation, there is worry. Why? What? and How? are waves of worry. Some then say: "Why does this happen to me all the time?" "Why do I have all these bondages?" "Why does Maya come after me?" "Why are my karmic accounts so severe?" So to ask, "Why?" means to have waves of worry. Those who are free from these worries are carefree.